Rom

Chapter 14

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Τὸν	δὲ	ἀσθενοῦντα	τῇ	πίστει,	προσλαμβάνεσθε,	μὴ	εἰς	διακρίσεις
-को	परन्तु	दुर्बल	-में	विश्वास	ग्रहण-करो	नहीं	-में	विवादों
G3588	G1161	G0770	G3588	G4102	G4355	G3361	G1519	G1253

διαλογισμῶν.
तर्कों-के
G1261

जिसका विश्वास दुर्बल है, उसका भी स्वागत करो किन्तु मतभेदों पर झगड़ा करने के लिए नहीं।

2

ὃς	μὲν	πιστεύει	φαγεῖν	πάντα;	ὁ	δὲ	ἀσθενῶν,	λάχανα	ἐσθίει.
जो	एक-ओर	विश्वास-करता-है	खाने-को	सब-कुछ	वह	परन्तु	दुर्बल	साग-पात	खाता-है
G3739	G3303	G4100	G5315	G3956	G3588	G1161	G0770	G3001	G2068

कोई मानता है कि वह सब कुछ खा सकता है, किन्तु कोई दुर्बल व्यक्ति बस साग-पात ही खाता है।

3

ὁ	ἐσθίων,	τὸν	μὴ	ἐσθίοντα	μὴ	ἐξουθενείτω;	ὁ	δὲ	μὴ	ἐσθίων,
वह	खानेवाला	-को	नहीं	खानेवाले-को	नहीं	तुच्छ-जाने	वह	और	नहीं	खानेवाला
G3588	G2068	G3588	G3361	G2068	G3361	G1848	G3588	G1161	G3361	G2068

τὸν	ἐσθίοντα	μὴ	κρινέτω:	ὁ	Θεὸς	γὰρ	αὐτὸν	προσελάβετο.
-को	खानेवाले-को	नहीं	न्याय-करे	-ने	परमेश्वर	क्योंकि	उसे	ग्रहण-किया
G3588	G2068	G3361	G2919	G3588	G2316	G1063	G0846	G4355

तो वह जो हर तरह का खाना खाता है, उसे उस व्यक्ति को हीन नहीं समझना चाहिए जो कुछ वस्तुएँ नहीं खाता। वैसे ही वह जो कुछ वस्तुएँ नहीं खाता है, उसे सब कुछ खाने वाले को बुरा नहीं कहना चाहिए। क्योंकि परमेश्वर ने उसे अपना लिया है।

4

σὺ	τίς	εἶ,	ὁ	κρίνων	ἀλλότριον	οἰκέτην?	τῷ	ἰδίῳ	κυρίῳ,
तू	कौन	है	जो	न्याय-करता-है	दूसरे-के	सेवक-का	-के	अपने	स्वामी-के-लिए
G4771	G5101	G1510	G3588	G2919	G0245	G3610	G3588	G2398	G2962

στήκει	ἢ	πίπτει.	σταθήσεται	δέ;	δυνατεῖ	γὰρ	ὁ	Κύριος	στῆσαι
खड़ा-रहता-है	या	गिरता-है	खड़ा-किया-जाएगा	परन्तु	सामर्थी-है	क्योंकि	वह	प्रभु	खड़ा-करने-में
G4739	G2228	G4098	G2476	G1161	G1414	G1063	G3588	G2962	G2476

αὐτόν.
उसे
G0846

तू किसी दूसरे घर के दास पर दोष लगाने वाला कौन होता है? उसका अनुमोदन या उसे अनुचित ठहराना स्वामी पर ही निर्भर करता है। वह अवलम्बित रहेगा क्योंकि उसे प्रभु ने अवलम्बित होकर टिके रहने की शक्ति दी।

5

ὃς	μὲν	γὰρ	κρίνει	ἡμέραν	παρ'	ἡμέραν;	ὃς	δὲ	κρίνει	πᾶσαν
जो	एक-ओर	क्योंकि	मानता-है	दिन-को	से-बढ़कर	दिन	जो	दूसरी-ओर	मानता-है	हर
G3739	G3303	G1063	G2919	G2250	G3844	G2250	G3739	G1161	G2919	G3956

ἡμέραν.	ἕκαστος	ἐν	τῷ	ἰδίῳ	νοῒ,	πληροφορείσθω.
दिन-को	हर-एक	में	-के	अपने	मन-में	दृढ़-हो
G2250	G1538	G1722	G3588	G2398	G3563	G4135

और फिर कोई किसी एक दिन को सब दिनों से श्रेष्ठ मानता है और दूसरा उसे सब दिनों के बराबर मानता है तो हर किसी को पूरी तरह अपनी बुद्धि की बात माननी चाहिए।

6 ὁ φρονῶν τὴν ἡμέραν, Κυρίῳ φρονεῖ; <καὶ ὁ μὴ φρονῶν τὴν
वह मानता-है -को दिन-को प्रभु-के-लिए मानता-है और वह नहीं मानता-है -को
G3588 G5426 G3588 G2250 G2962 G5426 G2532 G3588 G3361 G5426 G3588

ἡμέραν κυρίῳ οὐ φρονεῖ> ὁ ἐσθίων, Κυρίῳ ἐσθίει, εὐχαριστεῖ γὰρ
दिन-को प्रभु-के-लिए नहीं मानता वह खानेवाला प्रभु-के-लिए खाता-है धन्यवाद-देता-है क्योंकि
G2250 G2962 G3756 G5426 G3588 G2068 G2962 G2068 G2168 G1063

τῷ Θεῷ; καὶ ὁ μὴ ἐσθίων, Κυρίῳ οὐκ ἐσθίει, καὶ εὐχαριστεῖ
-को परमेश्वर-का और वह नहीं खानेवाला प्रभु-के-लिए नहीं खाता और धन्यवाद-देता-है
G3588 G2316 G2532 G3588 G3361 G2068 G2962 G3756 G2068 G2532 G2168

τῷ Θεῷ.
-को परमेश्वर-का
G3588 G2316

> जो किसी विशेष दिन को मनाता है वह उसे प्रभु को आदर देने के लिए ही मनाता है। और जो सब कुछ खाता है वह भी प्रभु को आदर देने के लिये ही खाता है। क्योंकि वह परमेश्वर का धन्यवाद करता है। और जो किन्ही वस्तुओं को नहीं खाता, वह भी ऐसा इसलिए करता है क्योंकि वह भी प्रभु को आदर देना चाहता है। वह भी परमेश्वर को ही धन्यवाद देता है।

7 Οὐδεὶς γὰρ ἡμῶν ἑαυτῷ ζῇ, καὶ οὐδεὶς ἑαυτῷ ἀποθνήσκει.
कोई-नहीं क्योंकि हम-में-से अपने-लिए जीता-है और कोई-नहीं अपने-लिए मरता-है
G3762 G1063 G1473 G1438 G2198 G2532 G3762 G1438 G0599

> हम में से कोई भी न तो अपने लिए जीता है, और न अपने लिये मरता है।

8 ἐάν τε γὰρ ζῶμεν, τῷ Κυρίῳ ζῶμεν; ἐάν τε ἀποθνήσκωμεν,
यदि तो क्योंकि जीते-हैं -के-लिए प्रभु-के-लिए जीते-हैं यदि तो मरते-हैं
G1437 G5037 G1063 G2198 G3588 G2962 G2198 G1437 G5037 G0599

τῷ Κυρίῳ ἀποθνήσκομεν. ἐάν τε οὖν ζῶμεν, ἐάν τε ἀποθνήσκωμεν,
-के-लिए प्रभु-के-लिए मरते-हैं यदि तो इसलिए जीते-हैं यदि तो मरते-हैं
G3588 G2962 G0599 G1437 G5037 G3767 G2198 G1437 G5037 G0599

τοῦ Κυρίου ἐσμέν.
-के प्रभु-के हैं
G3588 G2962 G1510

> हम जीते हैं तो प्रभु के लिए और यदि मरते है तो भी प्रभु के लिए। सो चाहे हम जियें चाहे मरें हम है तो प्रभु के ही।

9 εἰς τοῦτο γὰρ, Χριστὸς ἀπέθανεν καὶ ἔζησεν, ἵνα καὶ νεκρῶν καὶ
-के-लिए इसी क्योंकि मसीह मरा और जी-उठा कि दोनों मरे-हुओं-पर और
G1519 G3778 G1063 G5547 G0599 G2532 G2198 G2443 G2532 G3498 G2532

ζώντων κυριεύσῃ.
जीवितों-पर प्रभुता-करे
G2198 G2961

> इसलिए मसीह मरा; और इसलिए जी उठा ताकि वह, वे जो अब मर चुके हैं और वे जो अभी जीवित हैं, दोनों का प्रभु हो सके।

10 Σὺ δὲ, τί κρίνεις τὸν ἀδελφόν σου, ἢ καὶ σὺ τί
तू परन्तु क्यों न्याय-करता-है -का भाई-का अपने या भी तू क्यों
G4771 G1161 G5101 G2919 G3588 G0080 G4771 G2228 G2532 G4771 G5101

ἐξουθενεῖς τὸν ἀδελφόν σου? πάντες γὰρ παραστησόμεθα τῷ βήματι τοῦ
तुच्छ-जानता-है -को भाई-को अपने सब क्योंकि खड़े-होंगे -के न्याय-आसन-के -के
G1848 G3588 G0080 G4771 G3956 G1063 G3936 G3588 G0968 G3588

Θεοῦ.
परमेश्वर-के
G2316

> सो तू अपने विश्वास में सशक्त भाईपर दोष क्यों लगाता है? या तू अपने विश्वास में निर्बल भाई को हीन क्यों मानता है? हम सभी को परमेश्वर के न्याय के सिंहासन के आगे खड़ा होना है।

11 γέγραπται γάρ, Ζῶ ἐγώ, λέγει Κύριος, ὅτι ἐμοὶ κάμψει πᾶν γόνυ,
लिखा-है क्योंकि जीवित-हूँ मैं कहता-है प्रभु कि मेरे-सामने झुकेगा हर घुटना
G1125 G1063 G2198 G1473 G3004 G2962 G3754 G1473 G2578 G3956 G1119

καὶ πᾶσα γλῶσσα ἐξομολογήσεται τῷ Θεῷ.
और हर जीभ अंगीकार-करेगी -को परमेश्वर-का
G2532 G3956 G1100 G1843 G3588 G2316

> शास्त्र में लिखा है: "प्रभु ने कहा है, 'मेरे जीवन की शपथ' 'हर किसी को मेरे सामने घुटने टेकने होंगे; और हर जुबान परमेश्वर को पहचानेगी।'"

12 ἄρα οὖν, ἕκαστος ἡμῶν περὶ ἑαυτοῦ, λόγον δώσει τῷ Θεῷ.
इसलिए तो हर-एक हम-में-से विषय-में अपने लेखा देगा -को परमेश्वर-को
G0686 G3767 G1538 G1473 G4012 G1438 G3056 G1325 G3588 G2316

> सो हममें से हर एक को परमेश्वर के आगे अपना लेखा-जोखा देना होगा।

13 Μηκέτι οὖν ἀλλήλους κρίνωμεν; ἀλλὰ τοῦτο κρίνατε μᾶλλον, τὸ μὴ
अब-से इसलिए एक-दूसरे-का न्याय-न-करें परन्तु यह ठानो बल्कि -को नहीं
G3371 G3767 G0240 G2919 G0235 G3778 G2919 G3123 G3588 G3361

τιθέναι πρόσκομμα τῷ ἀδελφῷ, ἢ σκάνδαλον.
रखना ठोकर -के भाई-के-सामने या फंदा
G5087 G4348 G3588 G0080 G2228 G4625

> सो हम आपस में दोष लगाना बंद करें और यह निश्चय करें कि अपने भाई के रास्ते में हम कोई अड़चन खड़ी नहीं करेंगे और न ही उसे पाप के लिये उकसायेंगे।

14 οἶδα καὶ πέπεισμαι ἐν Κυρίῳ Ἰησοῦ, ὅτι οὐδὲν κοινὸν δι’
जानता-हूँ और दृढ़-हूँ में प्रभु यीशु-में कि कुछ-नहीं अशुद्ध अपने-आप-में
G1492 G2532 G3982 G1722 G2962 G2424 G3754 G3762 G2839 G1223

ἑαυτοῦ; εἰ μὴ τῷ λογιζομένῳ τι κοινὸν εἶναι, ἐκείνῳ κοινόν.
स्वयं यदि नहीं जो समझता-है कुछ अशुद्ध होना उसके-लिए अशुद्ध-है
G1438 G1487 G3361 G3588 G3049 G5100 G2839 G1510 G1565 G2839

> प्रभु यीशु में आस्थावान होने के कारण मैं मानता हूँ कि अपने आप में कोई भोजन अपवित्र नहीं है। वह केवल उसके लिए अपवित्र हैं, जो उसे अपवित्र मानता हैं, उसके लिए उसका खाना अनुचित है।

15 εἰ γὰρ διὰ βρῶμα, ὁ ἀδελφός σου λυπεῖται, οὐκέτι κατὰ ἀγάπην
यदि क्योंकि -के-कारण भोजन-के तेरा भाई तेरा दुखी-होता-है अब अनुसार प्रेम-के
G1487 G1063 G1223 G1033 G3588 G0080 G4771 G3076 G3765 G2596 G0026

περιπατεῖς. μὴ τῷ βρώματί σου ἐκεῖνον ἀπόλλυε, ὑπὲρ οὗ Χριστὸς
नहीं-चलता मत -से भोजन-से अपने उसे नाश-कर -के-लिए जिसके मसीह
G4043 G3361 G3588 G1033 G4771 G1565 G0622 G5228 G3739 G5547

ἀπέθανεν.
मरा
G0599

> यदि तेरे भाई को तेरे भोजन से ठेस पहुँचती है तो तू वास्तव में प्यार का व्यवहार नहीं कर रहा। तो तू अपने भोजन से उसे ठेस मत पहुँचा क्योंकि मसीह ने उस तक के लिए भी अपने प्राण तजे।

16 μὴ βλασφημείσθω, οὖν, ὑμῶν τὸ ἀγαθόν.
मत निन्दित-हो इसलिए तुम्हारी वह भलाई
G3361 G0987 G3767 G4771 G3588 G0018

> सो जो तेरे लिए अच्छा है उसे निन्दनीय मत बनने दे।

17 οὐ γάρ ἐστιν ἡ βασιλεία τοῦ Θεοῦ βρῶσις καὶ πόσις; ἀλλὰ
नहीं क्योंकि है वह राज्य -का परमेश्वर-का खाना और पीना परन्तु
G3756 G1063 G1510 G3588 G0932 G3588 G2316 G1035 G2532 G4213 G0235

δικαιοσύνη, καὶ εἰρήνη, καὶ χαρὰ ἐν Πνεύματι Ἁγίῳ.
धार्मिकता और शान्ति और आनन्द में आत्मा-में पवित्र
G1343 G2532 G1515 G2532 G5479 G1722 G4151 G0040

> क्योंकि परमेश्वर का राज्य बस खाना-पीना नहीं है बल्कि वह तो धार्मिकता है, शांति है और पवित्र आत्मा से प्राप्त आनन्द है।

18 ὁ γὰρ ἐν τούτῳ δουλεύων τῷ Χριστῷ εὐάρεστος τῷ Θεῷ, καὶ
जो क्योंकि में इस-में सेवा-करता-है -की मसीह-की ग्रहणयोग्य-है -के परमेश्वर-के और
G3588 G1063 G1722 G3778 G1398 G3588 G5547 G2101 G3588 G2316 G2532

δόκιμος τοῖς ἀνθρώποις.
प्रमाणित -के मनुष्यों-के
G1384 G3588 G0444

> जो मसीह की इस तरह सेवा करता है, उससे परमेश्वर प्रसन्न रहता है और लोग उसे सम्मान देते हैं।

19 ἄρα οὖν, τὰ τῆς εἰρήνης διώκωμεν, καὶ τὰ τῆς οἰκοδομῆς τῆς
इसलिए तो -को -की शान्ति-की खोजें और -को -की उन्नति-की -की
G0686 G3767 G3588 G3588 G1515 G1377 G2532 G3588 G3588 G3619 G3588

εἰς ἀλλήλους.
-में एक-दूसरे-की
G1519 G0240

> इसलिए, उन बातों में लगें जो शांति को बढ़ाती हैं और जिनसे एक दूसरे को आत्मिक बढ़ोतरी में सहायता मिलती है।

20 μὴ ἕνεκεν βρώματος, κατάλυε τὸ ἔργον τοῦ Θεοῦ. πάντα μὲν
मत -के-कारण भोजन-के नाश-कर -को काम-को -के परमेश्वर-के सब-कुछ तो
G3361 G1752 G1033 G2647 G3588 G2041 G3588 G2316 G3956 G3303

καθαρά, ἀλλὰ κακὸν τῷ ἀνθρώπῳ, τῷ διὰ προσκόμματος ἐσθίοντι.
शुद्ध-है परन्तु बुरा-है -के-लिए मनुष्य-के-लिए जो -से ठोकर-से खाता-है
G2513 G0235 G2556 G3588 G0444 G3588 G1223 G4348 G2068

> भोजन के लिये परमेश्वर के काम को मत बिगाड़ो। हर तरह का भोजन पवित्र है किन्तु किसी भी व्यक्ति के लिये वह कुछ भी खाना ठीक नहीं है जो किसी और भाई को पाप के रास्ते पर ले जाये।

21 καλὸν τὸ μὴ φαγεῖν κρέα, μηδὲ πιεῖν οἶνον, μηδὲ ἐν ᾧ ὁ
अच्छा-है यह नहीं खाना माँस और-न पीना दाखरस और-न में जिसमें तेरा
G2570 G3588 G3361 G5315 G2907 G3366 G4095 G3631 G3366 G1722 G3739 G3588

ἀδελφός σου προσκόπτει, ‹ἢ σκανδαλίζεται ἢ ἀσθενεῖ›.
भाई तेरा ठोकर-खाए या फंसे या दुर्बल-हो
G0080 G4771 G4350 G2228 G4624 G2228 G0770

> माँस नहीं खाना श्रेष्ठ है, शराब नहीं पीना अच्छा है और कुछ भी ऐसा नहीं करना उत्तम है जो तेरे भाई को पाप में ढकेलता हो।

22 σὺ πίστιν ἣν ἔχεις, κατὰ σεαυτὸν ἔχε ἐνώπιον τοῦ Θεοῦ. μακάριος
तू विश्वास जो रखता-है अनुसार अपने-आप-में रख सामने -के परमेश्वर-के धन्य-है
G4771 G4102 G3739 G2192 G2596 G4572 G2192 G1799 G3588 G2316 G3107

ὁ μὴ κρίνων ἑαυτὸν ἐν ᾧ δοκιμάζει.
वह नहीं दोषी-ठहराता अपने-आप-को में जो परखता-है
G3588 G3361 G2919 G1438 G1722 G3739 G1381

> अपने विश्वास को परमेश्वर और अपने बीच ही रख। वह धन्य है जो जिसे उत्तम समझता है, उसके लिए अपने को दोषी नहीं पाता।

23	ὁ	δὲ	διακρινόμενος,	ἐὰν	φάγῃ,	κατακέκριται,	ὅτι	οὐκ	ἐκ	πίστεως;
	वह	परन्तु	सन्देह-करनेवाला	यदि	खाए	दोषी-ठहराया-गया	क्योंकि	नहीं	से	विश्वास-से
	G3588	G1161	G1252	G1437	G5315	G2632	G3754	G3756	G1537	G4102

πᾶν	δὲ	ὃ	οὐκ	ἐκ	πίστεως,	ἁμαρτία	ἐστίν.
सब	परन्तु	जो	नहीं	से	विश्वास-से	पाप	है
G3956	G1161	G3739	G3756	G1537	G4102	G0266	G1510

> किन्तु यदि कोई ऐसी वस्तु को खाता है, जिसके खाने के प्रति वह आश्वस्त नहीं है तो वह दोषी ठहरता है। क्योंकि उसका खाना उसके विश्वास के अनुसार नहीं है और वह सब कुछ जो विश्वास पर नहीं टिका है, पाप है।